Chhatrapati Shahu Ji Maharaj
University, Kanpur

Answer Script Details
Barcode 10653249

Roll No. 23262000010
Total Mark 71/75.00
Exam BA_V_ODD_EXAM_NOV_2025
Subject A320503T - Applied Theory of Ragas and Taals

Question wise Mark Summary

Q.No	Mark	Q.No	Mark	Q.No	Mark	Q.No	Mark
1A	5/5						
1B	5/5						
1C	5/5						
1D	5/5						
1E	5/5						
1F	5/5						
1G	5/5						
1H	3/5						
1I	5/5						
2	14/15						
3	0/15						
4	0/15						
5	0/15						
6	0/15						
7	0/15						
8	0/15						
9	14/15						

Chhatrapati Shahu Ji Maharaj University
Kanpur, Uttar Pradesh

Date of Exam : 19/12/25 Shift : IIIrd Room No. : 01
Paper Code A3205037 Subject Music Vocal II Paper Year/Sem. 5
Name of Candidate: Nitya Rastogi
Roll No. 2326200010

COE Facsimile
Signature of Invigilator
Signature of Candidate

PART-II

MARKS OBTAINED

Q.	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
(a)										
(b)										
(c)										
(d)										
(e)										
(f)										
(g)										
(h)										
(i)										
(j)										
Total										

Total Marks in Figures — Max. Marks
Total Marks in Words

A320503T
Paper Code

Signature of Evaluator

Course Applied theory of Ragas and Taals
Session 2025 Year/Semester 5
Subject Music Vocal (II. paper)

Paper Code: A 3 2 0 5 0 3 T
Exam Date: 1 9 1 2 2 0 2 5
Name of Candidate: NITYA RASTOGI
Father's Name: SANJEEV RASTOGI

महाविद्यालय का कोड
College Code: FB07

परीक्षा केन्द्र का कोड
Exam Centre Code: FB07

परीक्षा का प्रकार
Type of Exam
संस्थागत Regular ● / भूतपूर्व परीक्षार्थी Ex. Student ○
व्यक्तिगत Private ○ / बैक पेपर परीक्षा Back paper Exam ○

ANSWER BOOKLET NO.
10653249

A320503T
Paper Code

नामांकन संख्या
Enrollment Number: CSJMA23000116318

परीक्षार्थी अनुक्रमांक संख्या Candidate's Roll Number: 2326200010

पेपर कोड Paper Code: A320503T

Signature of Candidate
Signature of Invigilator
C S Facsimile
COE Facsimile

नोट : 1. परीक्षार्थी को निर्देशित किया जाता है कि आवरण पन्ने के पृष्ठ भाग पर अंकित सभी निर्देशों को सावधानी पूर्वक पढ़ें।
2. बॉक्स में भरी जाने वाली प्रविष्टियाँ बायीं तरफ से शुरू की जायें। 3. गोलों को काले या नीले बॉलपेन से भरा जाये।

INSTRUCTIONS TO THE CANDIDATE FOR FILLING PART-I

1. Read the instructions carefully given on the answer script and admit card.
2. Write Date of Exam, Shift, Paper Code & Name of Subject Correctly.
3. Write Name & Roll No. Correctly.
4. Write Semester & Branch Correctly.

INSTRUCTIONS TO THE CANDIDATE FOR FILLING PART-III

1. Use blue or black ball point pen for writing alphabets & numerals in ☐ Boxes.
2. Carefully study the example before you start marking.
3. As shown in the example below blacken the circles completely.

Correct method	Incorrect method
① ● ③ ④	✓ ✗ ◉ ●

4. Make no Stray marks on this sheet.
5. **DO NOT WRITE OR MARK ON THE BAR CODE.**

IN ORDER TO AVOID UFM (UNFAIR MEANS) :

1. The Roll No. and Answer Book no. found elsewhere or any other symbol found in the answer book will be treated as unfair means.
2. Any tempering of Bar Code and Booklet no shall be treated as Unfair Means.
3. Do Not bring the materials like slip of paper/mobile/digital diaries/ study material/ revision notes in examination hall. Possession of the mobiles/ digital diaries/ electronic watch and any other electronic gadget except memory less scientific calculator shall be considered as UFM case.
4. Do not keep or paste currency note in answer script it shall be consider as UFM.

अनुचित साधन से बचने हेतु:

1. उत्तर पुस्तिका के निर्देशित स्थान को छोड़कर अनुक्रमांक एवं उत्तरपुस्तिका का क्रमांक कही और न लिखे तथा कोई भी चिन्ह न बनायें क्योंकि यह अनुचित साधन प्रयोग की परिधि में आता है।
2. उत्तर पुस्तिका के बारकोड अथवा उत्तर पुस्तिका संख्या पर छेड़ करने पर अनुचित साधन प्रयोग माना जायेगा।
3. परीक्षा कक्ष में निम्न वस्तुएं साथ न लाये, जैसे लिखे हुए कागज के टुकड़े, मोबाईल, डिजिटल डायरी, कोपी, पुस्तक यह सभी वस्तुएं जो अनुचित साधन के अन्तर्गत आती है। केवल संबंधित प्रश्नपत्र में ही मेमोरी लैस साइटफिक कैल्कुलेटर ले जाने की अनुमन्यता होगी।
4. उत्तर पुस्तिकाओं में रुपये न रखें न ही उत्तर पुस्तिका में चिपकायें। ऐसा करना अनुचित साधन प्रयोग की परिधि में आता है।

परीक्षार्थी के लिए निर्देश

1. प्रवेश पत्र एवं उत्तर पुस्तिका पर दिये गये निर्देशों को ध्यान से पढ़ें।
2. कवर पृष्ठ के दूसरी तरफ कुछ न लिखें।
3. उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों पर दोनों तरफ लिखें।
4. प्रश्न पत्र पर अपने अनुक्रमांक के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
5. प्रश्न पत्र कोड एवं प्रश्न पत्र कोड सावधानी पूर्वक लिखें।
6. अपनी स्थिति स्पष्ट लिखें।
7. उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों की संख्या देखें। अगर उत्तर पुस्तिका में (1–24) से कम है या फटे हुए है, तो परीक्षा शुरू होने के पूर्व दूसरी पुस्तिका ले लें।
8. प्रश्नपत्र को देख, यदि प्रश्नपत्र के विषय कोड, विषय का नाम तथा में कोई त्रुटि है तो उसके परीक्षा शुरू होने के 30 मिनट के अन्दर निरीक्षक को तत्काल सूचित करें, उसके बाद विश्वविद्यालय द्वारा कार्यवाही नहीं की जायेगी।
9. प्रश्नों के उत्तर लिखने के लिये पैंसिल का प्रयोग न करें।
10. B कोपी या अतिरिक्त ग्राफ नहीं दिया जायेगा।

INSTRUCTIONS TO THE CANDIDATE

1. Read the instructions carefully given on the Question Pap Admit Card & Answer Script.
2. Do not write anything on back side of the cover page.
3. Write on both sides of pages of answer book.
4. Do not write anything on question paper except Roll Number.
5. Write Paper Code & Question Paper Id carefully.
6. CHECK the number of pages (1-32) or any other kind of dama in your answer script, if found than change the answer sc immediately before the commencement of examination.
7. CHECK the Question Paper for any kind of discrepancy e Subject Code. Subject Name and Question of the Questi Paper during first THIRTY MINUTES of the commencement the exam, so that it can be corrected in TIME. After that corrections shall be entertained by the university.
8. Do not use pencil for answering the question.
9. Write status correctly e.g. those appearing in carry over pap should fill in status as Carry Over. Those appearing as E Students should fill in status as ex.
10. No supplementary answer book & graph paper will be provided

INSTRUCTIONS TO THE CANDIDATE FOR FILLING PART-IV

1. Use blue or black ball point pen for writing alphabets & numeral in ☐ Boxes.
2. Use blue or black ball point pen for filling the circles.

	1	8	1	5	4	3	2	1	6	9

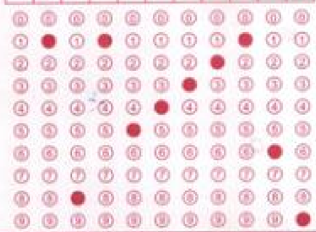

Note - If your Roll No. is of 10 digits. Please leave first three column

01

{ Section : B }

प्र०1 अपने पाठ्यक्रम के किसी एक राग की द्रुत ख्याल की स्वरलिपि लिखिए -

उ०1 * राग - खमाज *

- दोहा -

"आरोहन में रे वर्जित कर, गावत राग खमाज
द्वितीय प्रहर निशि गाइये, ग नि स्वर संवाद।

राग खमाज [illegible] राग माना जाता है क्योंकि ये अपने था[illegible] के नाम से ही जाना जाता है।

- राग - परिचय -

- थाट - खमाज
- स्वर - अवरोह में 'नि' कोमल
- वादी स्वर - ग
- संवादी स्वर - नि
- गायन समय - रात्रि का द्वितीय प्रहर
- वर्जित स्वर - आरोह में 'रे'
- जाति - षाड़व - सम्पूर्ण
- समप्रकृति राग - तिलंग
- न्यास के स्वर - सा ग प
- प्रकृति - चंचल

- आरोह - सा, ग म प, ध नि सां।

- अवरोह - सां नि ध प, म ग रे सा।

- पकड़ - नि ध नि, ध म प, ध म ग।

Do Not Write anything in this Portion

राग खमाज - द्रुत ख्याल

ताल - तीनताल — लय - मध्य

स्थायी - नमन करूँ मैं सद्‌गुरू चरण
सबदुख हरण भव निस्तरण

अन्तरा - शुद्ध भाव धर अंत करण
सुर नर किन्नर वंदित चरण

बन्दिश

स्थायी -

सां सां नि नि	[illegible] म (म) ग	ग मम प ध	सां नि सां -
न म न क	[illegible] ऽ मैं ऽ	स दुऽ, गु रू	च र ण ऽ
०	3	×	2
सां सां गं मं	गं गं नि सां	नि - सां सां	नि सां नि ध
स ब दु ख	ह र ण ऽ	भ ऽ व नि	स्त र ण ऽ
०	3	×	2

अन्तरा -

ग म ध नि	सां नि सां -	नि नि सां -	नि सां नि ध
शु ऽ द्ध भा	ऽ व ध र	अं ऽ तः ऽ	क र ण ऽ
०	3	×	2
सां सां गं मं	गं गं नि सां	नि नि सां सां	निसांरें निसां, नि ध
सु र न र	कि ऽ न्न र	वं ऽ दि त	चऽऽ, रऽ, ण ऽ
०	3	×	2

{Section : C}

प्र०७ पंचम सवारी ताल का ठेका, परिचय सहित दीजिए -

उ०७ * ताल - पंचम सवारी *

सवारी ताल वैसे तो कई प्रकार है परन्तु पंचम सवारी सबसे अधिक प्रचलित है।

* राग - परिचय -

पंचम सवारी ताल तबले की ताल है। इस ताल में तबले पर स्वतन्त्र वादन किया जाता है। तीनताल व झपताल के समान इस ताल में भी परन, कायदा, टुकड़े आदि बजाए जा सकते हैं। यह ताल ख्याल गायकी के साथ प्रयोग की जाती है। यह विषम पदी ताल है, इस ताल का विभाग रूप 3/4/4/4 है। यह ताल कठिन तालों में जानी जाती है।

पंचम सवारी ताल 15 मात्राओं की ताल है। इस ताल में 4 विभाग होते हैं। पहले विभाग में तीन मात्राएँ, दूसरे, तीसरे तथा चौथे विभाग में चार - चार मात्राएँ होती हैं। पहली मात्रा पर सम, चौथी तथा बारहवीं मात्रा पर ताली बजायी जाती है। इस ताल में आठवीं मात्रा पर खाली होती है।

पंचम सवारी ताल का प्रयोग मध्य लय में किया जाता है।

Do Not Write anything in this Portion

Paper Code

04

- मात्रा - 15
- विभाग - 4 (1/3 - 2/4 - 3/4 - 4/4)
- ताली - 1, 4, 12 पर
- खाली - 8 पर

पंचमसवारी ताल का ठेका :-

मात्रा	1	2	3	4	5	6	7
बोल	धी	ना	धीधी	कत	धीधी	नाधी	धीना
चिन्ह	X			2			
मात्रा	8	9	10	11	12	13	14	15
बोल	तीन्क	तीना	तिरकिट	तूना	कत	धीधी	नाधी	धीना
चिन्ह	0				3			

धी
X

{Section : A}

(1) प्रश्न राग खमाज का पूर्ण परिचय दीजिए ?

उत्तर राग - खमाज

दोहा -
"आरोहन में 'रे' वर्जित कर, गावत राग खमाज।
द्वितीय प्रहर निशि गाइये, ग नि स्वर संवाद॥"

राग-परिचय-
राग खमाज को आश्रय राग भी कहते हैं, क्योंकि यह अपने थाट से ही जन्मा है; यह जनक राग है।

- थाट - खमाज
- स्वर - अवरोह में नि कोमल
- वादी स्वर - ग
- संवादी स्वर - नि
- जाति - षाडव- संपूर्ण
- वर्जित स्वर - आरोह में 'रे'
- गायन समय - रात्रि का दूसरा प्रहर
- न्यास के स्वर - सा ग प
- समप्रकृति राग - तिलंग
- प्रकृति - चंचल

इस राग में मुख्य रूप से द्रुत ख्याल, तराना आदि गाये जाते हैं।

- आरोह - सा ग म, प ध, नि सां।
- अवरोह - सां नि ध प, म ग रे सा।
- पकड़ - नि ध नि, ध म प, ध म ग।

(2)
प्र02 राग चन्द्रकौंस का परिचय के साथ आलाप लिखिए।

उ02 राग - चन्द्रकौंस

* दोहा-
"गंधार धैवत कोमल करें, औडुव - ओडव रूप।
सम संवादी [illegible] देते, चन्द्रकौंस अनूप॥"

* राग-परिचय - चन्द्रकौंश भैरवी थाट से

Do Not Write anything in this Portion

Paper Code

06

उत्पन्न राग माना जाता है। ये जन्य राग कहा जाता है। इस राग के थाट को लेकर मतभेद है, ये राग प्रचलित रागों में नहीं आते हैं इसलिए इन रागों के थाट भी निश्चित नहीं होते हैं।

- थाट – भैरवी
- स्वर – ग, ध कोमल, अन्य शुद्ध
- वादी स्वर – म
- संवादी स्वर – सा
- जाति – औड़व - औड़व
- वर्जित स्वर – रे, प
- गायन समय – मध्यरात्रि
- समप्रकृति – मालकौंश
- आरोह – सा ग, म ध, नि सां।
- अवरोह – सां नि ध म, ग म ग सा।
- पकड़ – ग म ग सा, ऩि सां।

* विशेषता–

- राग चन्द्रकौंश में 'नि' कोमल कर देने से यह मालकौंश की छाया देता है।
- राग चन्द्रकौंश की जाति औड़व - औड़व मानी जाती है। इसके आरोह व अवरोह में 'रे' और 'प' स्वर वर्जित होता है।

Paper Code

07

राग चन्द्रकौंश की आलाप -

1)

सा- ऽ गु- ऽ x	म- ऽ धु- ऽ 2	गुम, धु-, गु- म- 0
गु- म- गु- सा- 3		

2)

गु- म-, धु- नि-	सां- ऽ नि- सां-	धु- म- गु- म-
गु- म- गु- सा		

(3) प्र०3 लयकारी किसे कहते हैं?

उ०3 जब किसी दो चीजों को एक साथ जोड़कर एक ही मात्रा पर बजाते हैं, तो उसे लयकारी कहते हैं।

→ लयकारी दो प्रकार की होती है - 1) सरल लयकारी
2) क्लिष्ट लयकारी

1) सरल लयकारी - सरल लयकारी के अन्तर्गत दुगुन, तिगुन, चौगुन, अठगुन आदि लयकारी आती है।

2) क्लिष्ट लयकारी - क्लिष्ट लयकारी के अन्तर्गत आड़, कुआड़ व बिआड़ लयकारियाँ आती हैं। ये कुछ कठिन प्रतीत होती हैं।

- सरल लयकारी के उदाहरण - धाधा, दिंता, धादिंता।
- क्लिष्ट लयकारी के उदाहरण - धाऽऽ, धाऽगेऽ, तिरकिट।

Do Not write anything in this column

Paper Code

Do Not Write anything in this Portion

Paper Code

Do Not Write anything in this Portion

P.T.O

Do Not Write anything in this Portion

Paper Code

(4) प्र०4 उ० पंचम सवारी ताल की दुगुन लिखिए।

ताल - पंचम सवारी

• ताल-परिचय :-
- मात्रा - 15
- विभाग - 4 (1-3/2-4/3-4/4-4)
- ताली - 1,4,12 पर
- खाली - 8 पर

ताल का ठेका

मात्रा	1	2	3	4	5	6	7
बोल	धी	ना	धी	कत	धीधी	नाधी	धीना
चिन्ह	x			2			

मात्रा	8	9	10	11	12	13	14	15
बोल	तीक्र	तीना	तिरकिट	तूना	कत	धीधी	नाधी	धीना
चिन्ह	0				3			

दुगुन

मात्रा	1	2	3
बोल	धीना	धीधीकत	धीधीनाधी
चिन्ह	x		

मात्रा	4	5	6	7
बोल	धीनातीक्र	तीनातिरकिट	तूनाकत	धीधीनाधी
चिन्ह	2			

मात्रा	8	9	10	11
बोल	धीनाधी	नाधीधी	कतधीधी	नाधीधीना
चिन्ह	0			

मात्रा	12	13	14	15	
बोल	तीक्रतीना	तिरकिटतूना	कतधीधी	नाधीधीना	धी
चिन्ह	3				x

(5) प्र० राग भीमपलासी का स्वर-समूह लिखिए।

उ०5 राग- भीमपलासी

स्वर-समूह - ऩि सा म, म प ग़ म, ग़ रे सा।

* दोहा - "जब काफी के मेल से, आरोहन रे ध त्याग।
तृतीय प्रहर दिन ग नि कोमल, म सा स्वर संवाद॥"

* राग-परिचय -

- थाट - काफी
- स्वर - ग कोमल नि कोमल।
- वादी स्वर - ग
- संवादी स्वर - नि
- जाति - औडव-सम्पूर्ण
- वर्जित स्वर - रे, ध आरोह में।
- गायन समय- दिन का तृतीय प्रहर
- न्यास के स्वर - सा ग म प।
- समप्रकृति राग - बागेश्री
- प्रकृति - करूण।

- आरोह - ऩि सा ग म प नि सां।
- अवरोह - सां नि ध प, म प ग़ म, ग़ रे सा।

(6) प्र०८ राग चन्द्रकौंश में कौन सा स्वर वर्जित है?

उ०८ वर्जित स्वर - रे, प।
राग चन्द्रकौंश में (रे) ऋषभ व पंचम (प) स्वर वर्जित माने जाते हैं। इस कारण इस राग की जाति - औडव-औडव मानी जाती है।

Paper Code

12

राग चन्द्रकौंश गाते समय रे व प स्वर नही गाये जाते है।

उदा०

सा ग म ध नि सां।

(7) प्र०7 सप्तक से आप क्या समझते है?

उ० सप्तक

"सात शुद्ध स्वरों के क्रमवार समूह को सप्तक कहते है।"

सप्तक में सातों स्वरों को सा, रे, ग, म, प, ध, नि क्रम में गाया जाता है।

एक सप्तक में 22 श्रुतियाँ होती है। प्रत्येक स्वर के बीच कुछ-कुछ श्रुतियों का अन्तराल होता है।

सा - षड्ज
रे - ऋषभ
ग - गन्धार
म - मध्यम
प - पंचम
ध - धैवत
नि - निषाद

सप्तक में ये सात स्वर शुद्ध तथा इसी क्रम में रहते हैं। कुल स्वर होते है परन्तु सप्तक में केवल शुद्ध स्वरों को लिया जाता है जो

Do Not Write anything in this Portion

कि केवल 7 ही माने जाते हैं।

(8) प्र०8. ध्रुपद से आप क्या समझते हैं?

उ०8

ध्रुपद

ध्रुवपद या ध्रुपद गायन शैली शास्त्रीय गायन की सबसे प्राचीन शैली है। माना जाता है कि 15 वीं शताब्दी में राजा मानसिंह तोमर ने इसका निर्माण किया था।

→ ध्रुवपद गायन शैली ध्रुव अर्थात स्थिर तथा पद अर्थात पंक्ति से मिलकर बना है। इसका अर्थ है कि स्थिर रहने वाली पंक्ति।

→ ध्रुवपद अतिविलम्बित लय में गायी जाती है। ख्याल गायकी के बाद इसका गायन किया जाता है।

→ ध्रुवपद के कई ~~प्रकार~~ बानियाँ होते हैं — • गोबरहार बानी • खंडार बानी • नौहार बानी

(9) प्र०9) परमेल प्रवेशक राग किसे कहते हैं?

उ० परमेल प्रवेशक राग वे राग होते हैं जो एक राग को गाते समय बिना उस राग का रूप बदले दूसरे राग में प्रवेश कर जाते हैं।

"राग का एक राग से दूसरे राग में प्रवेश

Do Not Write anything in this Portion

Paper Code

"कर जाना, परमेल प्रवेशक राग कहलाता है।"

कई विद्वान गायक ही परमेल प्रवेशक राग गाते हैं।

——— × ———

Paper Code

Paper Code

Do Not Write anything in this Portion

Paper Code

17

Paper Code

18

Do Not Write anything in this Portion

Paper Code

Paper Code

20

Do Not Write anything in this Portion

Paper Code

Do Not Write anything in this Portion

Paper Code

Paper Code

Do Not Write anything in this Portion